My colleague, the Finance Minister and I were both on this Committee, and the House may rest assured that these recommendations are in the best interests of the Railways and of General Finance. It is a matter for gratification that all these recommendations have been carried unanimously.

With these words, I commend the Resolution to the House.

Mr. Deputy-Speaker: Resolution moved:

"That this House approves the recommendations contained in the Report of the Committee appointed to review the rate of dividend which is at present payable by the Railway Undertaking to General Revenues as well as other ancillary matters in connection with the Railway Finance *vis-a-vis* the General Finance, which was presented to Parliament on 29th November, 1965."

Shri Alvares (Panjim): Sir, we have just been discussing the report of the Finance Commission.

Mr. Deputy-Speaker: He may continue tomorrow.

16.59 hrs.

RE: *EXPUNCTION*

Mr. Deputy-Speaker: The Speaker has looked into the records and ordered the expunction of certain phrases. The Press will please take note of them and will not publish those portions which have been expunged. They may check it up. . . .

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Let the House be told what portions have been expunged.

Mr. Deputy-Speaker: They are with the Reporters. He can go and see.

---

17 hrs.

†SUPPLY OF ELECTRICITY FOR TUBE-WELLS IN PUNJAB.

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) :
वह वपां जात वेद पितृभ्यों यत्रे तान् वैत्थ
निदितान् पराकि ।
मेदसकुल्या उपतान् सवन्तु सत्याएपामाशिष
सनमन्ता स्वाहा ।

उपाध्यक्ष महोदय, यह सब जानते हैं कि जीवन के लिये जितना मकान जरूरी है, उससे ज्यादा वस्त्र और वस्त्रों से ज्यादा अन्न जरूरी है। और अन्न के लिये सब से आवश्यक वस्तु है पानी। एक बार बिना खाद हुए अन्न उपज सकता है यदि पानी मिल जाये :

"अन्नाद्भवन्ति भूतानि परजन्यादन्न संभव:
यज्ञात्भवति परजन्यों यज्ञ कर्म समद भव:"

नियम यह है कि पानी मिलेगा वर्षा से, वर्षा अच्छी हो तो पानी मिलेगा, और वर्षा अच्छी होगी यज्ञ से। जब वर्षा अच्छी होगी तो पानी मिलेगा, पानी मिलेगा तो अन्न होगा, और अन्न होगा तो प्राणी जीवित रहेंगे, उन का पालन पोषण और बढ़ना भी होगा। जहां हमको पानी वर्षा से मिलता है वहां नदियों के द्वारा मिलता है। जब वर्षा अच्छी नहीं होगी तो नदियां भी पानी नहीं देंगी। लेकिन जब कहीं आय नहीं होगी तो व्यय कैसे किया जायेगा। दूसरा उपाय सब से अच्छा है भूमि के गर्भ से। हम कूपों के द्वारा अथवा भूजल यंत्रों के द्वारा भूगर्भ से पानी निकाम कर सिचाई कर सकते हैं।

इस बार पंजाब में वर्षा कम होने के कारण सारी नहरों में पानी बहुत कम आ रहा है। मैंने प्रश्न किया था उस वक्त मंत्री महोदय ने उत्तर दिया था कि नहरों में पानी कम नहीं है। परन्तु पानी की कमी होने के कारण पानी का हम अच्छी तरह बरताव नहीं कर रहे हैं। यह मंत्री महोदय का वक्तव्य है। मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूं कि वह पानी किस बुरी तरह से बरताव में आ रहा है। इस का ज्ञान मैं कराना चाहता हूं। मैं आप को बीसों नहीं

---

†Half-An-Hour Discussion